**प्रधान एवम् प्रतिभू दोनों के विरुद्ध माल के मूल्य के लिए वाद**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

ऊपर नामित किया गया वादी निम्नलिखित रूप में अतिसादर पूर्वक निवेदन करता है –

1. यह कि वादी ने प्रतिवादी सं. 2 द्वारा दी गयी इस मौखिक गारण्टी पर ऋण पर प्रतिवादी सं. 1 को .......... ..................... रुपये मूल्य का सामान की आपूर्ति किया कि यदि प्रतिवादी उन्हें संदाय करने में असफल होगा तो प्रतिवादी सं. 2 उसके लिए संदाय करेगा।
2. यह कि प्रतिवादी सं. 1 ने माल के लिए कुछ संदाय नहीं किया और वादी ने बिल को प्राप्ति के पश्चात् एक सप्ताह के अन्दर माल के लिए संदाय करने के लिए दोनों पक्षकारों लिखित सूचना दी; तो यह पत्र तारीख ........... को लिखित सूचना दी: तो यह पत्र तारीख ....................... को प्रतिवादी सं. 1 द्वारा तथा तारीख .................. को प्रतिवादी स. 2 द्वारा प्राप्त किया गया लेकिन उनमें से किसी ने भी यहाँ तक रकम का संदाय नहीं किया है।
3. यह कि वाद हेतूक तारीख ................. को उत्पन्न हुआ जब प्रतिवादी उपर्युक्त बिल की प्राप्ति के पश्चात् एक के पश्चात् एक सप्ताह के अन्दर क्रेडिट पर दिये गये माल के लिए भुगतान करने में असफल हो गया।
4. यह कि वाद का मूल्यांकन ऋण पर दिये गये मूल्य ...... रुपये पर किया जाता है और न्यायालय फीस का संदाय दावाकृत अनुतोष के अनुसार किया जाता है।
5. यह कि प्रतिवादी सं. 1 एवम् 2 संयुक्त रूप से तथा पृथक रूप से उत्तरदायी है।

दावाकृत अनुतोष :

वादी दावा करता है;

(i)वाद को दाखिल करने की तारीख से आज तक रकम पर ब्याज के रूप में ............. रुपये सहित............. रुपये का भुगतान।

(ii) उसके भुगतान की तारीख को वादी तारीख से भविष्य ब्याज।

वादी

जरिये अधिवक्ता

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित वादी, एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ, कि वादपत्र के पैरा ............. ...... ...... ........... .... .. लगायत .................................. की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और ................................... पैरा के वे सभी तथा उसका.......... उस विधिक सलाह पर आधारित है। जिसे मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

मैं इस दिनांक ....... को सत्यापित किया गया।

वादी